कस्तूरबाग्राम रूरल इस्टाट्यूट, कस्तूरबाग्राम, इन्दार
वाणिज्य संकाय द्वितीय वर्ष (2022–23) वार्षिक प्रणाली
पाठ्यकम एवं परीक्षा योजना

क.	विषय	सैद्धांतिक		प्रायोगिक		योग
01.	अनिवार्य पाठ्यकम	आंतरिक	बाह्य	आंतरिक	बाह्य	कुल
I	हिन्दी भाषा	–	50	–	–	50
II	अंग्रेजी भाषा	–	50	–	–	50
III	स्टार्टअप एवं उद्यमिता	–	50	–	–	50
IV	महिला सशक्तिकरण	–	50	–	–	50
02	मुख्य विषय					
	निगमीय लेखांकन	30	70	–	–	100
	परिव्यय लेखांकन	30	70	–	–	100
	माइनर –					
I	व्यवसायिक सांख्यकी	30	70	–	–	100
03	वैकल्पिक विषय (कोई एक)					
I	प्रबंध के सिद्धांत	30	70	–	–	100
II	व्यावहारिक अर्थशास्त्र	30	70	–	–	100
III	विज्ञापन विक्रय संवर्धन एवं प्रबंधन	30	70	–	–	100
IV	वित्तीय बाजार परिचालन	30	70	–	–	100
V	Introduction to ASP.NET & C#	30	70	30	70	200
04	कौशल संवधन (कोई एक)	30	70	30	70	200
I	हस्तशिल्प	–	–	–	–	–
II	जैविक खेती	–	–	–	–	–
III	वर्मी कम्पोस्ट	–	–	–	–	–
IV	बगवानी	–	–	–	–	–
V	शा. शिक्षा					
VI	डेयरी प्रबंधन	–	–	–	–	–
05	प्रोजेक्ट् इंटर्नशिप/सामुदायिक जुडाव	–	50	–	50	100
	कुल योग–					900
	अथवा					
	कुल योग–					1000

प्रभारी प्राचार्य
कस्तूरबा ग्राम रुरल इन्स्टीट्यूट
कस्तूरबा ग्राम, इन्दौर

कस्तूरबाग्राम रूरल इंस्टीट्यूट, कस्तूरबाग्राम, इन्दौर

नवीन शिक्षा प्रणाली सत्र 2022–2023

कक्षा– बी.कॉम. द्वितीय वर्ष

विषय – निगमीय लेखांकन

कोड - C2 - COMA1T

इकाई	पाठ्यक्रम की विषय वस्तु
इकाई–1	अंशों का अर्थ, प्रकार, निर्गमन, हरण, पुननिर्गमन, पूर्वाधिकारी अंशों का शोधन, निगमीय सामाजिक उत्तरदायित्व।
इकाई–2	ऋणपत्र का अर्थ, प्रकार, निर्गमन एवं शोधन, कंपनी का लाभ हानि खाता तथा चिट्ठा प्रारूप एवं विवरण (संक्षेप में)
इकाई–3	समामेलन के पूर्व एवं पश्चात् लाभ और हानि की गणना, कंपनी का परिसमापन, कंपनियों के परिसमापन के लिए लेखांकन।
इकाई–4	ख्याति की अवधारणा, प्रकार, विशेषताएं, प्रकृति, ख्याति का मूल्यांकन, अंशों का मूल्यांकन
इकाई–5	सूत्रधारी एवं सहायक कंपनी का अर्थ, सूत्रधारी कंपनी का समेकित चिट्ठा तैयार करना – एक सहायक कंपनी के साथ।
इकाई–6	भारतीय लेखांकन मानक 14 के अनुसार कंपनियों का संविलियन। कंपनी के आंतरिक पुननिर्माण लेखे, भारतीय लेखा मानक 14 के अनुसार।
	संदर्भ ग्रंथ सूची – 1. डॉ. बी.के. मेहता, निगमीय लेखांकन, साहित्य भवन, आगरा 2. गंगवार और गंगवार, उच्चतर निगमीय लेखे, हिमालया पब्लिकेशन, नागपुर 3. डॉ. एस.एम. शुक्ल, निगमीय लेखांकन, साहित्य भवन, आगरा

.....

16/08/22

कस्तूरबाग्राम रूरल इंस्टीट्यूट, कस्तूरबाग्राम, इन्दौर
नवीन शिक्षा प्रणाली सत्र 2022–23
कक्षा– बी.कॉम. द्वितीय वर्ष
विषय – परिव्यय लेखांकन
कोड - C2-COMA2T

इकाई	पाठ्यकम की विषय वस्तु
इकाई–1	**लागत** – अर्थ, अवधारणा एवं वर्गीकरण। लागत के तत्व, प्रकृति एवं महत्व, सामग्री लागत लेखांकन, सामग्री निर्गमन के मूल्यांकन की विधियां, सामग्री नियंत्रण अवधारणा एवं इसकी तकनीकें, श्रम लागत लेखांकन, मजदूरी भुगतान की पद्धतियां।
इकाई–2	इकाई लागत लेखांकन, लागत पत्र एवं लागत विवरण का निर्माण (निविदा मूल्य की गणना सहित) उपरिव्यय लेखांकन (मशीन घंटा दर की गणना सहित)
इकाई–3	ठेका एवं उपकार्य लागत लेखांकन, परिचालन लागत लेखांकन (परिवहन लागत)
इकाई–4	प्रकिया लेखांकन, (अन्तर प्रकिया लाभ एवं संचय सहित) लागत लेखों का वित्तीय लेखों से मिलान।
इकाई–5	सीमांत लागत लेखांकन–लाभ–मात्र अनुपात, समविच्छेद बिंदु, सुरक्षा सीमा, समविच्छेद विश्लेषण के प्रयोग। प्रमाप लेखे एवं विचरण विश्लेषण (केवल सामग्री एवं श्रम)
	संदर्भ ग्रंथः– Ref.books – 1. डॉ.एम.एल.अग्रवाल, के.एल.गुप्ता, लागत लेखांकन, साहित्य भवन पब्लि.,आगरा 2. डॉ.बी.के. सिंह, लागत लेखांकन, विस्डम पब्लिकेशन, नई दिल्ली 3. ए.शर्मा, शाह मंगल, लागत लेखांकन, रमेश बुक डिपो, जयपुर 4. एम.आर. अग्रवाल, लागत लेखांकन, गरिमा पब्लिकेशन, जयपुर 5. वी.के. त्रिपाठी, खटीक, गुप्ता, लागत लेखांकन, रामप्रसाद पब्लिकेशन, आगरा 6. एस.सी. जैन, परिव्यय लेखांकन, कैलाश पुस्तक सदन, भोपाल 7. डॉ. महेश अग्रवाल, लागत लेखांकन, रामप्रसाद एण्ड संस, भोपाल

.....

16/08/22

कस्तूरबाग्राम रूरल इंस्टीट्यूट, कस्तूरबाग्राम, इन्दौर
नवीन शिक्षा प्रणाली सत्र 2022–2023
कक्षा– बी.कॉम. द्वितीय वर्ष
विषय – व्यावसायिक सांख्यिकी
कोड - C2-COMB2T

इकाई	पाठ्यक्रम की विषय वस्तु
इकाई–1	**सांख्यिकी**– अर्थ, परिभाषा, महत्व, क्षेत्र और सीमाएं, सांख्यिकीय अनुसंधान। समंक संकलन की प्रकिया, प्राथमिक और द्वितीयक समंक, निदर्शन की रीतियाँ, प्रश्नावली की रचना, समंकों का वर्गीकरण एवं सारणीकरण, सांख्यिकीय श्रेणीयों की रचना एवं प्रकार।
इकाई–2	**केंद्रीय प्रवृत्ति की माप** – माध्य, भूयिष्ठिक, माध्यिका, विभाजन मूल्य, गुणोत्तर माध्य एवं हरात्मक माध्य।
इकाई–3	**अपकिरण एवं विषमता** – विस्तार, चतुर्थक विचलन, माध्य विचलन, प्रमाप विचलन, विचरण गुणांक, प्रसरण। **सहसंबंध** – आशय, परिभाषा, प्रकार, सहसंबंध का परिमाण, सहसंबंध गुणांक की विधियां।
इकाई–4	**प्रतीपगमन विश्लेषण** – आशय, उपयोग, सहसंबंध एवं प्रतीपगमन में अंतर, प्रतीपगमन समीकरण, प्रतीपगमन गुणांक का परिकलन। काल श्रेणी का विश्लेषण – अर्थ, महत्व, संघटक, दीर्घकालीन उपनति के माप, चक्रीय एवं अनियमित उच्चा वचनों के माप। गुण संबंध (केवल दो विचरण)।
इकाई–5	**निर्देशांक** – अर्थ, विशेषताएं, महत्व एवं उपयोग। निर्देशकों की रचना – जीवन निर्वाह निर्देशांक, फिशर का आदर्श सूचकांक। समंकों की चित्रमय एवं रेखीय प्रस्तुति। **गुण संबंध** – (केवल दो विचरण), अर्थ, प्रकार, विशेषताएं, गुण संबंध को मापने की पद्धति।
	संदर्भ ग्रंथः– Ref.books – 1. अरविंद कुमार, सांख्यिकी के सिद्धांत, हिमालय पब्लिशिंग हाउस, नागपुर 2. डी.एन. एलहंस/वीना एलहंस/हितेश डागा, सांख्यिकी के सिद्धांत, किताब महल पब्लिशिंग, आगरा 3. डॉ.एस.एम. शुक्ल, डॉ.एस.पी. सहाय, सांख्यिकी के सिद्धांत, साहित्य भवन, आगरा 4. डॉ.एस.एम.शुक्ल, हिना अग्रवाल, सांख्यिकी के मूल तत्व, साहित्य भवन, नई दिल्ली 5. डॉ.महेश अग्रवाल, सांख्यिकी के सिद्धांत, रामप्रसाद एण्ड संस, भोपाल 6. डॉ. एस.सचदेवा, सांख्यिकी के मूल तत्व, लक्ष्मीनारायण अग्रवाल, पब्लि, आगरा

.....

16/01/22

कस्तूरबाग्राम रूरल इंस्टीट्यूट, कस्तूरबाग्राम, इन्दौर
नवीन शिक्षा प्रणाली सत्र 2022–2023
कक्षा– बी.कॉम. द्वितीय वर्ष
विषय – प्रबन्ध के सिद्धांत
कोड - C2-COMD2T

इकाई	पाठ्यक्रम की विषय वस्तु
इकाई–1	**प्रबंध की अवधारणा** – अर्थ, परिभाषा, प्रकृति, कार्य, प्रक्रिया, क्षेत्र और प्रबंधन का महत्व, प्रबंधन में वैदिक मूल्यों और नैतिकता की भूमिका, प्रबंधन और प्रशासन के बीच अंतर। प्रबंधन में मूल्यों और नैतिकता का महत्व। प्रबंधकों के गुण और विशेषताएं, प्रबंधन का विकास विचार, टेलर और वैज्ञानिक प्रबंधन : प्रारंभिक योगदान, फेयोल का प्रशासनिक प्रबंधन, कर्मचारीतंत्र, मानवीय संबंध और आधुनिक दृष्टिकोण, प्रबंधकीय नैतिकता।
इकाई–2	**नियोजन** – अर्थ, प्रकृति, क्षेत्र, उद्देश्य, कार्य और नियोजन का महत्व, तत्व और नियोजन के चरण, रणनीतियाँ और नीतियां। **संगठन** – अर्थ, परिभाषा, प्रकार, क्षेत्र, सिद्धांत, रेखा और कर्मचारी संबंध, अधिकार, केंद्रीकरण और विकेंद्रीकरण। प्रभावी संगठन, संगठनात्मक संरचना, स्टाफिंग। निर्णयन – अर्थ, परिभाषा, प्रकार, क्षेत्र, सिद्धांत, निर्णयन।
इकाई–3	**निदर्शन और समन्वय** – निर्देशन का अर्थ, परिभाषा, निर्देशक का महत्व और सिद्धांत, निर्देशन की तकनीक, पर्यवेक्षण का अर्थ, समन्वय का अर्थ, समन्वय के तत्व और विशेषताएं, समन्वय का महत्व, सहयोग और समन्वय। प्रभावी समन्वय के लिए कदम, संघर्षों का प्रबंधन।
इकाई–4	**अभिप्रेरण और नेतृत्व** – अभिप्रेरण अवधारणा : कर्मचारी प्रेरणा के रूप, अभिप्रेरण की आवश्यकता, अभिप्रेरण के सिद्धांत। **नेतृत्व** – एक नेता का अर्थ और कार्य, प्रभावी नेतृत्व के लक्षण, नेतृत्व के प्रकार, सिद्धांत और नेतृत्व शैली।
इकाई–5	**नियंत्रण** – परिभाषा, अर्थ, तत्व, महत्व, नियंत्रण प्रक्रिया, नियंत्रण के प्रकार, नियंत्रण तकनीक, अच्छे नियंत्रण प्रणाली की आवश्यकताएं। उत्तरदायित्व लेखांकन, IPERT और CPM प्रबंधन नियंत्रण में कम्प्यूटर और IT का उपयोग।
इकाई–6	**प्रबंधन में उभरती प्रवृत्तियाँ** – मूल अवधारणा, कुल गुणवत्ता प्रबंधन, संकट/आपदा प्रबंधन, वैश्विक व्यवहार, परिवर्तन प्रबंधन, संभार तंत्र प्रबंधन।
	संदर्भ ग्रंथः– Ref.books – 1. आर.एल. नौलखा, प्रबंध के सिद्धांत, रमेश बुक डिपो, जयपुर 2. राजीव जैन, व्यावसायिक प्रबंध हिमालय पब्लिशिंग हाउस, प्रा.लि., नागपुर 3. डॉ.एस.सी. सक्सेना, प्रबंध के सिद्धांत, साहित्य भवन पब्लिकेशन, आगरा 4. डॉ. आर.सी. अग्रवाल, प्रबंध के सिद्धांत, साहित्य भवन, आगरा 5. डॉ.राजेंद्र शर्मा, प्रबंध के सिद्धांत, यशराज पब्लिकेशन, नई दिल्ली 6. डॉ.सी.एस. सुधा, प्रबंध के सिद्धांत, रमेश बुक डिपो, जयपुर 7. डॉ. एन.के.शाहिनी, जैन, प्रबंध के सामान्य विचार, कल्याणी पब्लिशर्स, नई दिल्ली

16/8/2022